ऑनलाइन माध्यम से नवप्रवेशित बीएएमएस विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए लेफ्टिनेंट जनरल दुष्यन्त सिंह जी

दिनांक : 19 नवम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्य धाम सोनबरसा गोरखपुर में गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, आयुर्वेद कालेज के नवप्रवेशित बीएएमएस विद्यार्थियों के पंचदशदिवसीय दीक्षारम्भ के अन्तर्गत आज नवप्रवेशित बीएएमएस विद्यार्थियों का असिस्टेंट प्रोफेसर आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय द्वारा शिष्योपनयन कार्यक्रम संपन्न कराया गया।

जिसमें माननीय कुलपति प्रो. डॉ. सुरिंदर सिंह ने स्वयं विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाते हुए धन्वन्तरि पूजन और यज्ञ संपन्न कराया। माननीय कुलपति महोदय ने विद्यार्थियों को आशीर्वाद प्रदान करते हुए कहा कि हमें संस्कृति और विज्ञान को आगे बढ़ाना है। हमें हमारी संस्कृति और धर्म कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ने की आज्ञा प्रदान करता है। धन्वंतरि यज्ञ में उपस्थित बतौर विशिष्ट अतिथि एम पी बिड़ला ग्रुप आफ हॉस्पीटल और विख्यात कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी ने कहा कि यज्ञ और देव पूजन हमें अपने कर्तव्यों को निर्वहन करने के लिए आत्मबल प्रदान करते हैं। शिष्योपनयन कार्यक्रम हमारे देश की आद्य परंपरा है। यहां के आचार्य साधुवाद के पात्र हैं जो इसे आज भी जीवित रखें हैं। शिष्योपनयन कार्यक्रम में माननीय कुलपति, विशिष्ट अतिथि, विद्यार्थियों और शिक्षकों और चिकित्सकों ने पूजन हवन कर प्रसाद ग्रहण किया।

दूसरे सत्र में संचार कौशल और आलोचनात्मक सोच विषय पर लेफ्टिनेंट जनरल दुष्यन्त सिंह ने अपने आनलाइन व्याख्यान में कहा कि संचार कौशल व्यक्ति की वह क्षमता है जिससे वह अपने विचारों, भावनाओं और जानकारी को प्रभावी ढंग से दूसरों तक पहुंचा सकता है। यह कौशल जीवन के हर पहलू में सफलता के लिए महत्वपूर्ण है। आलोचनात्मक सोच एक ऐसी मानसिक प्रक्रिया है, जिसमें व्यक्ति तथ्यों, सूचनाओं और परिस्थितियों का गहन विश्लेषण करके तार्किक और संतुलित निष्कर्ष पर पहुंचता है। यह कौशल निर्णय लेने और समस्याओं को हल करने के लिए अत्यधिक उपयोगी है। प्रभावी संचार के लिए आलोचनात्मक सोच आवश्यक है। किसी समस्या का विश्लेषण करने के बाद उसे प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करना संचार कौशल पर निर्भर करता है। दोनों कौशल एक दूसरे को मजबूत करते हैं और जीवन के व्यावसायिक और व्यक्तिगत दोनों क्षेत्रों में सफलता की कुंजी हैं। ये कौशल व्यक्ति को आत्मनिर्भर और सफल बनाने में सहायक होते हैं।

कार्यक्रम का संयोजन डॉ. देवी नायर ने किया। कार्यक्रम का संचालन बीएएमएस छात्रा श्रेया सिंह ने किया। डॉ. गिरिधर वेदांतम ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों के प्रति आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम में आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, डॉ. अरविन्द कुशवाह, डॉ. विनम्र शर्मा, डॉ. राजेश बहल, डॉ. साध्वी नन्दन पाण्डेय, डॉ. देवी एबीएएमएस व एमबीबीएस के नव प्रवेशित विद्यार्थी रहें।